

1084. राजमहल (टोंक) खान संबंधित है:

- (a) सोना से (b) पन्ना से  
(c) चाँदी से (d) तामड़ा से

**Lab Assistant (Home Science)-30.06.2022**

**Ans. (d) :** राजमहल (टोंक) खान तामड़ा (गार्नेट) से संबंधित है। राजस्थान के टोंक जिले में सर्वाधिक गार्नेट का उत्पादन होता है। तामड़ा को रक्तमणि भी कहा जाता है।

1085. राजस्थान में निम्न में से कौन सा पन्ना खनन क्षेत्र नहीं है?

- (a) टिक्की (b) गोगुन्दा  
(c) कालागुमान (d) सरवर

**Kanisht Abhiyanta (Civil) 18.05.2022**

**Ans. (d) :** सरवर, अजमेर जिले में स्थित है यह पन्ना खनन क्षेत्र नहीं है। राजस्थान में पन्ना खनन क्षेत्र टिक्की, कालागुमान एवं राजगढ़ (राजसमंद), गोगुन्दा तथा अजमेर में बुबानी एवं मुहामी खनन क्षेत्र प्रमुख है। राजस्थान के अजमेर एवं राजसमंद जिले में मुख्य रूप से पन्ना पाया जाता है। पन्ना रासायनिक रूप से बेरेलियम और एल्युमिनियम का एक जटिल सिलिकेट है।

1086. हाल ही में राजस्थान के किन जिलों में पोटोश के बड़े भण्डार मिले हैं?

- (a) कोटा, बारां (b) उदयपुर, राजसमंद  
(c) जयपुर, सीकर (d) गंगानगर, बीकानेर, नागौर

**Kanisht Abhiyanta (Civil)-18.05.2022**

**Ans. (d) :** राजस्थान के उत्तरी-पश्चिमी भाग नागौर, गंगानगर, बीकानेर जिलों में पोटोश के भंडार मिले हैं। पोटोश का उर्वरक एवं रासायनिक उद्योग में बड़े पैमाने पर उपयोग किया जाता है। राजस्थान से प्राप्त पोटोश का लाभ उठाने के लिए राजस्थान सरकार, जियोलाजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया, केन्द्रीय खनन मंत्रालय एवं निजी कंपनियों के मध्य समझौता हुआ है।

1087. आगूचा-गुलाबपुरा खनन क्षेत्र निम्न में से खनिजों के किस जोड़े के लिए प्रसिद्ध है?

- (a) Zn-Pb (b) Mg-Mn  
(c) Fe-Ni (d) Ag-Au

**उद्योग निरीक्षक भर्ती परीक्षा- 2018 (24 जून, 2018)**

**Ans. (a)** राजस्थान राज्य, भारत के 80 प्रतिशत सीसे एवं 90 प्रतिशत जस्ते का उत्पादन करता है। आगूचा-गुलाबपुरा खनन क्षेत्र में सीसा एवं जस्ते का खनन किया जाता है, जो कि राज्य के भीलवाड़ा जिले में स्थित है। सीसा-जस्ता शोधन संयंत्र राज्य के उदयपुर जिले के देवारी गाँव में लगाया गया है।

1088. राजस्थान के किस भाग में ताँबे के पुराने प्रचुर भण्डार हैं?

- (a) बीकानेर क्षेत्र (b) उदयपुर क्षेत्र  
(c) खेतड़ी (d) डीडवाना क्षेत्र

**स्टेनोग्राफर भर्ती परीक्षा-2019 (21 मार्च, 2021)**

**Ans. (c)** राजस्थान के खेतड़ी में ताँबे के पुराने प्रचुर भंडार हैं। खेतड़ी राजस्थान के झुंझुनू जिले में स्थित है। प्राचीन काल में खेतड़ी ताँबे के निर्यात के लिए प्रसिद्ध था।

1089. राजस्थान के सभी जिलों में जिला उद्योग केन्द्र की स्थापना किस पंचवर्षीय योजना में की गई?

- (a) द्वितीय (b) तृतीय  
(c) पांचवी (d) सातवीं

**संगणक भर्ती परीक्षा-2021 (19 दिसम्बर, 2021)**

**Ans. (c)** राजस्थान के सभी जिलों में जिला उद्योग केन्द्र की स्थापना पांचवी पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत की गई थी। 'जिला उद्योग केन्द्र' का मुख्यालय जयपुर में है।

1090. निम्नलिखित में से कौन (खनिज-उत्पादक क्षेत्र) सुमेलित नहीं है?

- (a) लौह-नाथरा की पाल (b) मैंगनीज-कालाखूटा  
(c) जिप्सम-जामसर (d) गार्नेट-सलादीपुरा

**संगणक भर्ती परीक्षा-2021 (19 दिसम्बर, 2021)**

**Ans. (d)** सही सुमेलित है-

खनिज	उत्पादक क्षेत्र
लौह	- नाथरा की पाल (उदयपुर)
मैंगनीज	- काला बूँटा (बालवाड़ा)
जिप्सम	- जामसर (बीकानेर)
गार्नेट	- राजमहल (टोंक)

1091. निम्नलिखित में से कौन सा राजस्थान में ताँबा उत्पादक क्षेत्र नहीं है?

- (a) गुजरवाड़ा (b) खेतड़ी  
(c) सिंघाना (d) खो-दरीबा

**सहायक अग्निशमन अधिकारी (एएफओ) -2021**

**Ans. (a)** राजस्थान में प्रमुख ताँबा-उत्पादक क्षेत्र खेतड़ी-सिंघाना क्षेत्र (झुंझुनू), खो-दरीबा (अलवर), देलवाड़ा केरोवली (सिरोही), रेलमगरा (राजसमंद), रघुनाथपुर (सीकर), बीदासर (चुरू), देवतलाई (भीलवाड़ा) हैं। खेतड़ी में एक ताँबा गलाने एवं शुद्धिकरण करने का संयंत्र है जिसने 1976 में कार्य करना शुरू किया था। खेतड़ी कॉपर काम्प्लेक्स भारत सरकार के उपक्रम हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड द्वारा चलाया जाता है।

1092. निम्नलिखित में से कौन सा एक युग्म सुमेलित नहीं है?

खनिज	खनन क्षेत्र
(a) ताँबा	खेतड़ी
(b) लौह अयस्क	मोरीजा बानेस
(c) सीसा एवं जस्ता	जावर
(d) टंगस्टन	पलाना

**पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019**

**Ans. (d)**

**राजस्थान के प्रमुख खनिज क्षेत्र-**

लौह अयस्क- मोरीजा-बानेस क्षेत्र (जयपुर), नाथरा का पाल, थूर हुण्डेर (उदयपुर), नीमला (जयपुर), डाबला (जयपुर) (झुंझुनू) आदि।

**टंगस्टन-** डेगाना भाकरी (नागौर), नाना कराराबाब (पाली), बाल्दा (सिरोही)

**ताँबा-** खेतड़ी-सिंघाना (झुंझुनू), खो-दरीबा (अलवर), दिलवाड़ा व केरावली (उदयपुर), अंजली (उदयपुर), बीदासर (चुरू), पुर-दरीबा (भीलवाड़ा) आदि।

**सीसा-जस्ता-** जावर- देवारी (उदयपुर), रामपुरा, अगूचा (भीलवाड़ा), राजपुरा-दरीबा (राजसमंद), गुढ़ा-किशोर दास (अलवर)।